"अगर कोई रिश्ता पसंद नहीं है, तो क्या उसका अंत हत्या हो सकता है?

पुणे से सामने आई यह घटना सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि भरोसे, रिश्तों और इंसानियत को झकझोर देने वाली कहानी है।

एक तरफ था 26 साल का केतन अग्रवाल, जो अपने सपनों की शादी की तैयारी कर रहा था। दूसरी तरफ थी उसकी मंगेतर सिया गोयल, जो किसी और से प्यार करती थी। और फिर जो हुआ, उसने पूरे देश को हैरान कर दिया।"

फरवरी 2026 में केतन और सिया की सगाई हुई थी। नवंबर में उनकी शादी तय थी। दोनों परिवार संपन्न थे और शादी की तैयारियां भी भव्य स्तर पर चल रही थीं।

बताया जाता है कि उदयपुर में करोड़ों रुपये खर्च करके शादी का आयोजन तय किया गया था। लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक ऐसा राज छिपा था, जो जल्द ही एक खौफनाक अपराध में बदलने वाला था।

सिया पिछले लगभग एक साल से चेतन चौधरी नाम के युवक के साथ रिश्ते में थी। वह उसी से शादी करना चाहती थी। लेकिन परिवार की इच्छा कुछ और थी।

कहा जाता है कि सिया इस शादी से खुश नहीं थी। उसने कई बार विरोध किया, लेकिन रिश्ता आगे बढ़ता रहा।

घटना से कुछ दिन पहले केतन और सिया का प्री-वेडिंग शूट बाली में होना था। लेकिन यात्रा नहीं हो सकी। इसके पीछे भी सिया द्वारा पासपोर्ट छिपाने की बात सामने आई।

फिर आया 18 जून।

सिया ने अपने जन्मदिन के बहाने केतन को पुणे के प्रसिद्ध लोहगढ़ किले पर चलने के लिए कहा। केतन को नहीं पता था कि यह यात्रा उसकी जिंदगी की आखिरी यात्रा बनने वाली है।

पुलिस जांच के अनुसार, सिया और उसके प्रेमी चेतन ने पहले से योजना बनाई थी। किले की रेकी भी की गई थी।

18 जून की सुबह, जब केतन और सिया किले पर पहुंचे, तब चेतन भी वहां मौजूद था।

आरोप है कि सही मौका देखकर चेतन ने केतन को लगभग 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया।

कुछ ही क्षणों में एक युवा जिंदगी खत्म हो गई।

शुरुआत में इसे एक हादसा बताया गया। कहा गया कि केतन का पैर फिसल गया और वह खाई में गिर गया।

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।

केतन एक अनुभवी ट्रैकर था। उसके परिवार को इस दुर्घटना वाली कहानी पर विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने पुलिस से गहराई से जांच करने की मांग की।

पुलिस ने कॉल रिकॉर्ड्स, लोकेशन डेटा और सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की।

जांच आगे बढ़ी तो कई सवाल खड़े होने लगे।

आखिरकार पुलिस को पता चला कि घटना के समय वहां एक तीसरा व्यक्ति भी मौजूद था।

पूछताछ के दौरान सच्चाई सामने आई और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

आज केतन का परिवार गहरे सदमे में है।

एक पिता, जिसने अपने बेटे के लिए सुनहरे भविष्य के सपने देखे थे, अब न्याय की गुहार लगा रहा है।

सबसे दर्दनाक बात यह है कि अगर सिया शादी नहीं करना चाहती थी, तो वह सच बोल सकती थी।

रिश्ता टूट जाता, शादी रुक जाती, लेकिन एक इंसान की जान तो बच जाती।

यह घटना समाज के लिए एक बड़ा सबक छोड़ती है।

जबरदस्ती थोपे गए रिश्ते कभी-कभी खतरनाक परिणाम पैदा कर सकते हैं। माता-पिता को अपने बच्चों की बात सुननी चाहिए, उनकी भावनाओं को समझना चाहिए और संवाद बनाए रखना चाहिए।

लेकिन साथ ही यह भी सच है कि किसी भी परिस्थिति में हत्या कभी समाधान नहीं हो सकती।

सच बोलना, रिश्ता खत्म करना, अलग हो जाना—ये सभी विकल्प मौजूद थे।

किसी की जिंदगी छीन लेना नहीं।

अब अदालत तय करेगी कि इस मामले में न्याय क्या होगा।

लेकिन एक सवाल हमेशा बना रहेगा...

अगर समय रहते सच बोल दिया जाता, तो क्या केतन आज जिंदा होता?

अपनी राय कमेंट में जरूर बताइए।

और ऐसी ही सच्ची घटनाओं की जानकारी के लिए चैनल को सब्सक्राइब करना न भूलें।